



Manisha santosh singh

26 Nov 2000

09:45 PM

Bihar Sharif

Model: Web-LalKitabRatna

Order No: 121555501

लालकिताब जन्मपत्रिका

लाल किताब की इस जन्मपत्रिका में जन्मकुण्डली, दशा, ग्रह स्पष्ट, लाल किताब कुण्डली व वर्ष कुण्डली के साथ यह भी बताया गया है कि आपका एवं परिवार का स्वास्थ्य कैसा रहेगा एवं उनका आपके प्रति व्यवहार कैसा रहेगा। इसमें रत्न कौन सा धारण करें व अन्य उपायों के साथ ग्रह फल, दशा फल व वर्षफल आदि भी दिए गए हैं। प्रयत्न किया गया है कि जातक को जिस प्रकार की जानकारी प्राप्त करने की अभिलाषा रहती है वह पूरी तरह दी जा सके।

लालकिताब जन्मपत्रिका को ध्यान से पढ़ने पर आपको यह मालूम होगा कि आपके साथ क्या घटना घटित हो रही है। ग्रहों के आधार पर यह भी बताया गया है कि अमुक जातक को पूजा-पाठ करना चाहिए या नहीं। वर्षफल में जिन सावधानियों को बरतने के लिये कहा गया है, उन सावधानियों के प्रति आजीवन सतर्क रहें। जो बातें आपके लिये शुभ लिखी गयी है, उनको अपने जीवन में अवश्य अपनाएं एवं जिन बातों को आपके लिये अशुभ लिखा गया है उन बातों को निश्चय कर हमेशा के लिये त्याग दें।

इस लालकिताब में व्यवसाय, कारोबार, नौकरी आदि के बारे में भी बतलाया गया है। इनसे संबंधित आपके लिये क्या लाभदायक रहेगा और क्या हानिकारक रहेगा इसकी विशेष जानकारी दी गयी है। जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए लालकिताब के उपाय जिस समय तथा जिन आयु में करने के लिए कहे गये हैं उन्हीं आयु में ही करें।

लालकिताब में जीवन में आने वाली कठिनाईयों का समय भी दर्शाया गया है। जीवन में कब कहां और जीवन के किस मोड़ पर कौन सी परेशानी आ सकती है यह तो बताया ही गया है साथ ही इनसे बचने के उपाय भी बताये हैं। यदि आपका समय अच्छा चल रहा है और आप अपने लिए दिये गये उपाय कर रहे हैं तो आपके भाग्य का फल कई गुना बढ़ जायेगा और यदि प्रतिकूल समय में आप यह उपाय कर रहे हैं तो आपका बुरा समय धीरे-धीरे नष्ट हो जायेगा एवं सफलता आपके कदमों को चूमेगी।

सभी जातकों से अनुरोध है कि इस लालकिताब जन्मपत्रिका को अपने जीवन में केवल मार्गदर्शक के रूप में ही उपयोग करें व इसके अक्षराक्षर पर निर्भर न रहें। इस पत्रिका में हमने अनेक शास्त्रों की सहायता लेकर आपके लिए फलादेश दिए हैं लेकिन विभिन्न कारणवश इसकी कोई गारंटी नहीं ली जा सकती कि यह पूर्ण रूपेण सत्य ही हो। अतः जातक इस पत्रिका पर आधारित निर्णय के लिए स्वयं ही जिम्मेदार होंगे।

लिंग _____: स्त्रीलिंग
जन्म तिथि _____: 26/11/2000
दिन _____: रविवार
जन्म समय _____: 21:45:00 घंटे
इष्ट _____: 38:49:13 घटी
स्थान _____: Bihar Sharif
राज्य _____: Bihar
देश _____: India

अक्षांश _____: 25:07:00 उत्तर
रेखांश _____: 85:25:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: 00:11:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 21:56:40 घंटे
वेलान्तर _____: 00:12:39 घंटे
साम्पातिक काल _____: 02:20:16 घंटे
सूर्योदय _____: 06:13:18 घंटे
सूर्यास्त _____: 16:58:07 घंटे
दिनमान _____: 10:44:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: हेमन्त
सूर्य के अंश _____: 10:51:11 वृश्चिक
लग्न के अंश _____: 17:12:49 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी _____: वृश्चिक - मंगल
नक्षत्र-चरण _____: ज्येष्ठा - 1
नक्षत्र स्वामी _____: बुध
योग _____: सुकर्मा
करण _____: बव
गण _____: राक्षस
योनि _____: मृग
नाड़ी _____: आद्य
वर्ण _____: विप्र
वश्य _____: कीटक
वर्ग _____: सर्प
युँजा _____: अन्त्य
हंसक _____: जल
जन्म नामाक्षर _____: नो-नोनी
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: धनु

पंचांग

दादा का नाम _____ :
पिता का नाम _____ :
माता का नाम _____ :
जाति _____ :
गोत्र _____ :

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1922	मार्गशीर्ष	5
पंजाबी	संवत : 2057	मार्गशीर्ष	12
बंगाली	सन् : 1407	मार्गशीर्ष	10
तमिल	संवत : 2057	कार्तिकगई	11
केरल	कोल्लम : 1176	वृश्चिकम	11
नेपाली	संवत : 2057	मार्गशीर्ष	11
चैत्रादि	संवत : 2057	मार्गशीर्ष	शुक्ल 1
कार्तिकादि	संवत : 2057	मार्गशीर्ष	शुक्ल 1

पंचांग

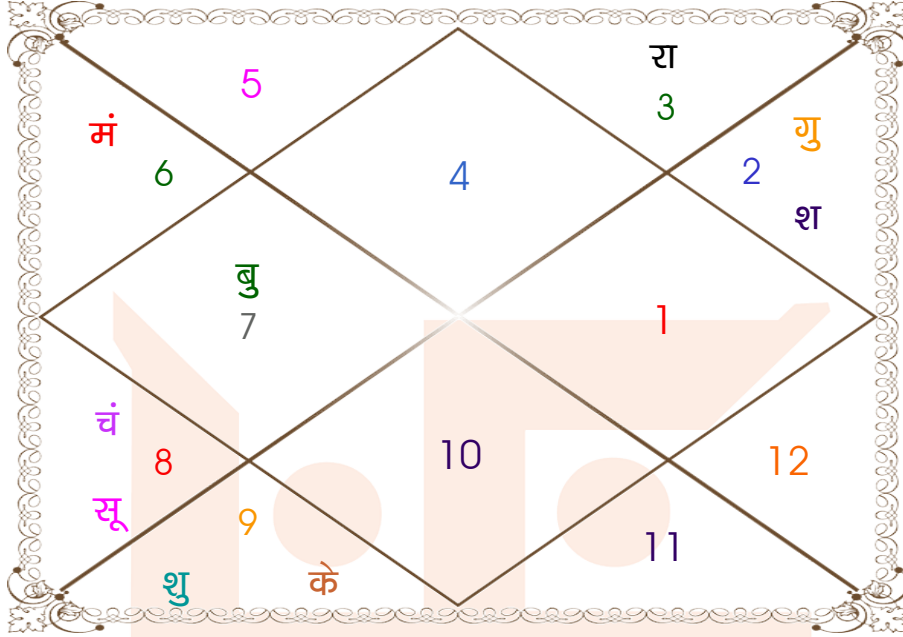
सूर्योदय कालीन तिथि _____ : 1
तिथि समाप्ति काल _____ : 29:58:08
जन्म तिथि _____ : 1
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____ : अनुराधा
नक्षत्र समाप्ति काल _____ : 17:16:09 घंटे
जन्म योग _____ : ज्येष्ठा
सूर्योदय कालीन योग _____ : सुकर्मा
योग समाप्ति काल _____ : 28:02:46 घंटे
जन्म योग _____ : सुकर्मा
सूर्योदय कालीन करण _____ : किंस्तुघ्न
करण समाप्ति काल _____ : 17:15:49 घंटे
जन्म करण _____ : बव
भयात _____ : 11:12:08
भभोग _____ : 65:06:17
भोग्य दशा काल _____ : बुध 14 वर्ष 0 मा 19 दि

घात चक्र

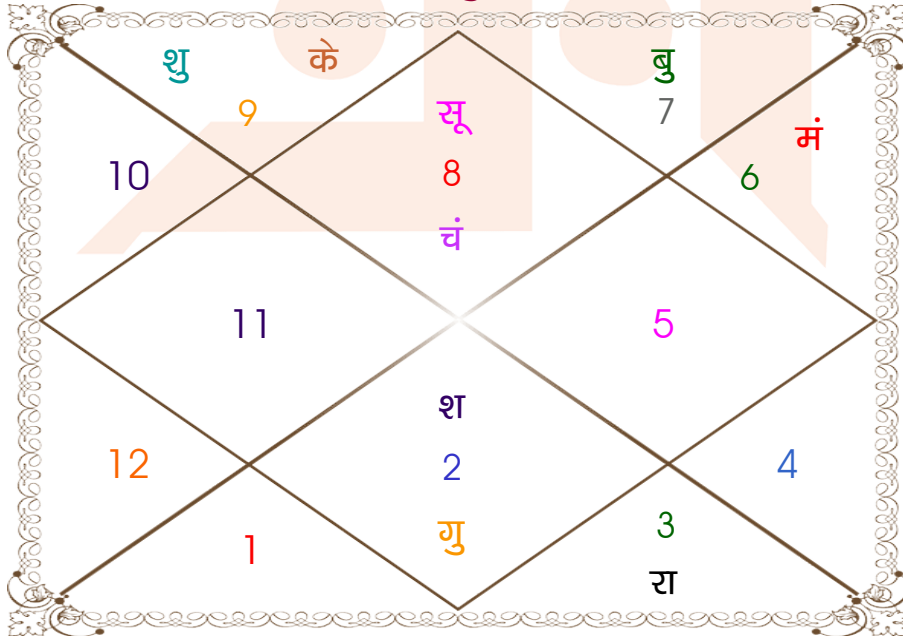
मास _____ : आश्विन
तिथि _____ : 1-6-11
दिन _____ : शुक्रवार
नक्षत्र _____ : रेवती
योग _____ : व्यतिपात
करण _____ : गर
प्रहर _____ : 1
वर्ग _____ : गरुड़
लग्न _____ : वृश्चिक
सूर्य _____ : मकर
चन्द्र _____ : धनु
मंगल _____ : कुम्भ
बुध _____ : वृश्चिक
गुरु _____ : मीन
शुक्र _____ : मेष
शनि _____ : कर्क
राहु _____ : वृष

जन्म कुण्डली

लग्न कुण्डली



चन्द्र कुण्डली



लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

		श गु	रा
			ल
के शु	चं सू	बु	मं

लग्न कुंडली

श गु		
रा		
ल		
मं	बु	शु के
	सू चं	

विंशोत्तरी
बुध 14वर्ष 0मा 19दि
बुध

26/11/2000

17/12/2117

बुध	16/12/2014
केतु	16/12/2021
शुक्र	16/12/2041
सूर्य	16/12/2047
चन्द्र	16/12/2057
मंगल	15/12/2064
राहु	16/12/2082
गुरु	16/12/2098
शनि	17/12/2117

योगिनी

भद्रिका 4वर्ष 1मा 18दि
मंगला

14/01/2026

14/01/2027

मंगला	24/01/2026
पिंगला	14/02/2026
धान्या	16/03/2026
भ्रामरी	26/04/2026
भद्रिका	15/06/2026
उल्का	15/08/2026
सिद्धा	25/10/2026
संकटा	14/01/2027

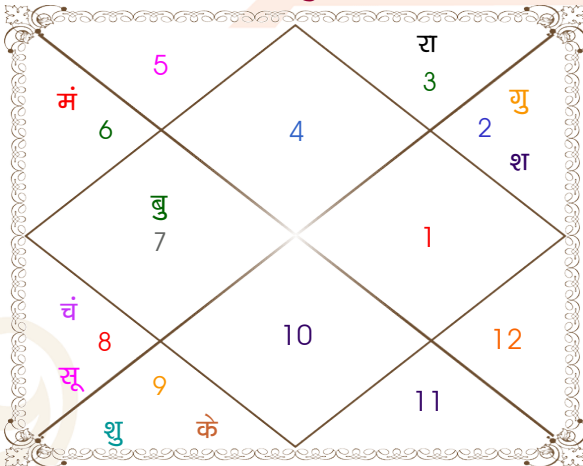
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	राशि	अंश	स्थिति	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
लग्न	कर्क	17:12:49	---	--	--	--	नेक
सूर्य	वृश्चिक	10:51:11	मित्र राशि	--	हाँ	--	मन्दा
चन्द्र	वृश्चिक	18:58:43	नीच राशि	--	हाँ	--	नेक
मंगल	कन्या	19:58:11	शत्रु राशि	--	--	--	नेक
बुध	तुला	25:12:42	मित्र राशि	--	हाँ	--	नेक
गुरु	व वृष	12:28:45	शत्रु राशि	--	--	--	मन्दा
शुक्र	धनु	22:21:15	सम राशि	--	हाँ	--	मन्दा
शनि	व वृष	03:02:42	मित्र राशि	--	--	हाँ	नेक
राहु	व मिथुन	22:10:17	उच्च राशि	--	--	--	नेक
केतु	व धनु	22:10:17	उच्च राशि	--	हाँ	--	मन्दा

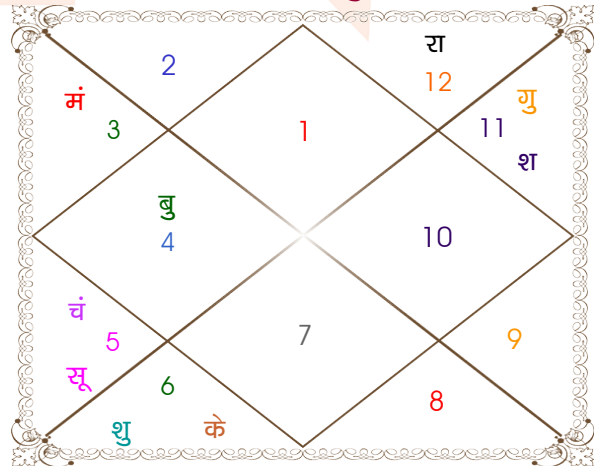
भाव स्थिति

खाना नं.	मालिक	पक्का घर	किस्मत जगानेवाला	सोया	उच्च	नीच
1	मंगल	सूर्य	मंगल	हाँ	सूर्य	शनि
2	शुक्र	गुरु	चंद्र	हाँ	चंद्र	--
3	बुध	मंगल	बुध	--	राहु	केतु
4	चंद्र	चंद्र	चंद्र	--	गुरु	मंगल
5	सूर्य	गुरु	सूर्य	--	--	--
6	बुध	बुध,केतु	केतु	--	बुध,राहु	शुक्र,केतु
7	शुक्र	शुक्र,बुध	शुक्र	हाँ	शनि	सूर्य
8	मंगल	मंगल,शनि	चंद्र	हाँ	--	चंद्र
9	गुरु	गुरु	शनि	--	केतु	राहु
10	शनि	शनि	शनि	--	मंगल	गुरु
11	शनि	शनि	गुरु	--	--	--
12	गुरु	गुरु,राहु	राहु	--	शुक्र,केतु	बुध,राहु

लग्न कुंडली



लालकिताब कुंडली



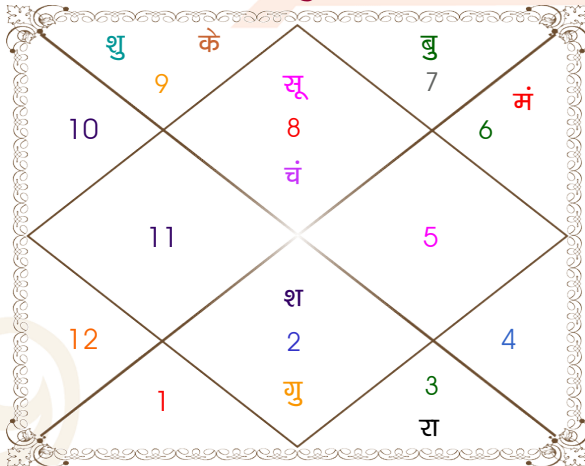
मैत्रीचक्र सारिणी

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम
बुध	मित्र	सम	शत्रु	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	---	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	---	मित्र	सम	मित्र
शनि	सम	सम	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	सम	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	---	मित्र
केतु	शत्रु	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---

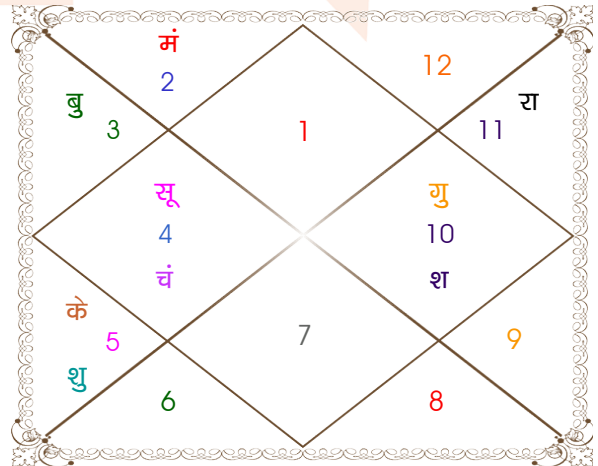
ग्रह/राशि फल

ग्रह	वर्णन	फल
सूर्य	परिवार उन्नति का मालिक ।	ग्रह
चंद्र	बच्चों के दूध की माया तथा आत्मिक नदी ।	--
मंगल	चिड़ियाघर का कैदी शेर ।	--
बुध	राजयोग या हुनरमंद	--
गुरु	खजूर के पेड़ की भांति अकेला ।	ग्रह
शुक्र	लल्लू करे कव्वालियां रब्ब सिद्धियां पावे ।	--
शनि	लिखे विधाता, स्वयं विधाता ।	ग्रह
राहु	शेख चिल्ली ।	ग्रह
केतु	शेर के कद वाला खुंखार कुत्ता ।	ग्रह

चन्द्र कुंडली



लालकिताब चन्द्र



लालकिताब दशा

शनि 6 वर्ष 26/11/2000 27/11/2006	राहु 6 वर्ष 27/11/2006 26/11/2012	केतु 3 वर्ष 26/11/2012 27/11/2015	गुरु 6 वर्ष 27/11/2015 27/11/2021	सूर्य 2 वर्ष 27/11/2021 27/11/2023
राहु 27/11/2002 बुध 26/11/2004 शनि 27/11/2006	मंगल 26/11/2008 केतु 27/11/2010 राहु 26/11/2012	शनि 27/11/2013 राहु 27/11/2014 केतु 27/11/2015	केतु 27/11/2017 गुरु 27/11/2019 सूर्य 27/11/2021	सूर्य 28/07/2022 चंद्र 29/03/2023 मंगल 27/11/2023
चंद्र 1 वर्ष 27/11/2023 26/11/2024	शुक्र 3 वर्ष 26/11/2024 27/11/2027	मंगल 6 वर्ष 27/11/2027 27/11/2033	बुध 2 वर्ष 27/11/2033 27/11/2035	शनि 6 वर्ष 27/11/2035 27/11/2041
गुरु 28/03/2024 सूर्य 28/07/2024 चंद्र 26/11/2024	मंगल 27/11/2025 शुक्र 27/11/2026 बुध 27/11/2027	मंगल 27/11/2029 शनि 27/11/2031 शुक्र 27/11/2033	चंद्र 28/07/2034 मंगल 29/03/2035 गुरु 27/11/2035	राहु 27/11/2037 बुध 27/11/2039 शनि 27/11/2041
राहु 6 वर्ष 27/11/2041 27/11/2047	केतु 3 वर्ष 27/11/2047 27/11/2050	गुरु 6 वर्ष 27/11/2050 26/11/2056	सूर्य 2 वर्ष 26/11/2056 27/11/2058	चंद्र 1 वर्ष 27/11/2058 27/11/2059
मंगल 27/11/2043 केतु 27/11/2045 राहु 27/11/2047	शनि 26/11/2048 राहु 27/11/2049 केतु 27/11/2050	केतु 26/11/2052 गुरु 27/11/2054 सूर्य 26/11/2056	सूर्य 28/07/2057 चंद्र 28/03/2058 मंगल 27/11/2058	गुरु 29/03/2059 सूर्य 28/07/2059 चंद्र 27/11/2059
शुक्र 3 वर्ष 27/11/2059 27/11/2062	मंगल 6 वर्ष 27/11/2062 26/11/2068	बुध 2 वर्ष 26/11/2068 27/11/2070	शनि 6 वर्ष 27/11/2070 26/11/2076	राहु 6 वर्ष 26/11/2076 27/11/2082
मंगल 26/11/2060 शुक्र 27/11/2061 बुध 27/11/2062	मंगल 26/11/2064 शनि 27/11/2066 शुक्र 26/11/2068	चंद्र 28/07/2069 मंगल 28/03/2070 गुरु 27/11/2070	राहु 26/11/2072 बुध 27/11/2074 शनि 26/11/2076	मंगल 27/11/2078 केतु 26/11/2080 राहु 27/11/2082
केतु 3 वर्ष 27/11/2082 27/11/2085	गुरु 6 वर्ष 27/11/2085 27/11/2091	सूर्य 2 वर्ष 27/11/2091 27/11/2093	चंद्र 1 वर्ष 27/11/2093 27/11/2094	शुक्र 3 वर्ष 27/11/2094 27/11/2097
शनि 27/11/2083 राहु 26/11/2084 केतु 27/11/2085	केतु 27/11/2087 गुरु 27/11/2089 सूर्य 27/11/2091	सूर्य 28/07/2092 चंद्र 28/03/2093 मंगल 27/11/2093	गुरु 28/03/2094 सूर्य 28/07/2094 चंद्र 27/11/2094	मंगल 27/11/2095 शुक्र 26/11/2096 बुध 27/11/2097
मंगल 6 वर्ष 27/11/2097 28/11/2103	बुध 2 वर्ष 28/11/2103 28/11/2105	बुध 2 वर्ष 28/11/2103 28/11/2105	बुध 2 वर्ष 28/11/2103 28/11/2105	बुध 2 वर्ष 28/11/2103 28/11/2105
मंगल 27/11/2099 शनि 28/11/2101 शुक्र 28/11/2103	चंद्र 29/07/2104 मंगल 29/03/2105 गुरु 28/11/2105	चंद्र 29/07/2104 मंगल 29/03/2105 गुरु 28/11/2105	चंद्र 29/07/2104 मंगल 29/03/2105 गुरु 28/11/2105	चंद्र 29/07/2104 मंगल 29/03/2105 गुरु 28/11/2105

नोट : 35 साला लाल किताब दशा लगभग तीन चक्र के लिए दी गई है।
उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

टेवे की श्रेणी

रतांध ग्रह/अंधा टेवा

लाल किताब के अनुसार रतांध ग्रह को नहोराता के ग्रह भी कहते हैं। ये ग्रह दिन में देखते हैं, परंतु यही ग्रह रात्रि में अंधे हो जाते हैं। ये ग्रह अर्द्ध-अंधे कहे जाते हैं अर्थात् चौथे खाने में सूर्य और सातवें खाने में शनि हो तो वह टेवा आधा अंधा टेवा कहलाएगा।

इस प्रकार का टेवा जातक के व्यावसायिक जीवन में, मन की शांति के लिए और गृहस्थ सुख के लिए काफी हद तक अशुभ असर पड़ता है। सातवें खाने में बैठा शनि बहुत शक्तिशाली हो जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सप्तम खाने के शनि को दिग्बल प्राप्त हो जाता है। इस भाव का शनि अपनी दसवीं संपूर्ण दृष्टि से सुख स्थान में स्थित सभी ग्रहों को प्रभावित करता है। शत्रु दृष्टि से सूर्य के शुभ फल अशुभता में परिणत हो जाएगा। चतुर्थ स्थान से सूर्य की सप्तम दृष्टि कर्म भाव पर पड़ कर कर्म फल को अशुभ कर देगा। सभी प्रकार की मन की शांति को पूर्ण रूपेण कम कर सभी प्रकार के सुखों को नष्ट कर देगा। कुंडली पर अशुभ प्रभाव देने वाला शनि और उसकी दृष्टि है। अतः सूर्य के उपाय की उपयोगिता नहीं। मात्र शनि की अशुभता नष्ट करने के लिए शनि का उपाय करना चाहिए।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी रतांध ग्रह से प्रभावित नहीं है।

धर्मी टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ धर्मी टेवा होते हैं। धर्मी टेवा के अशुभ ग्रहों का प्रभाव बहुत हद तक कम हो जाता है। जिस टेवा में बृहस्पति के साथ शनि किसी भी घर में अर्थात् शुभ घर में स्थित हो तो ऐसा टेवा धर्मी टेवा हो जाता है। धर्मी टेवा वाला जातक मुश्किल या कष्ट के समय, जब उसकी सभी राहें अवरुद्ध हो जाती हैं उस समय ईश्वर अपने हाथों से उसकी सहायता करते हैं। शनि ग्रह मुश्किलों का एवं हमारे भाग्य का कारक भी लाल किताब के अनुसार होता है। टेवा में बृहस्पति के साथ अथवा बृहस्पति की राशि में शनि बैठ जाए तो शनि के स्वभाव में शुभता आ जाती है। बृहस्पति और शनि का संबंध बहुत से दोषों को दूर कर देता है। 6वें, 9वें, 11वें एवं 12वें घरों में शनि बृहस्पति का संयोग होना बड़ी समस्याओं का शमन एवं जीवन के उतार-चढ़ाव को नियंत्रित कर देता है। इसके प्रभाव से (कुंडली) टेवा की अशुभता समाप्त और सारी विपदाओं का अंत हो जाता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी धर्मी टेवा है अतः मुश्किल या कष्ट के समय जब उसकी राह अवरुद्ध हो जाता है उस समय देवी सहायता या ईश्वर अपने हाथों से आपकी सहायता करते हैं।

नाबालिग टेवा

लाल किताब के अनुसार कुछ हालातों में बारह साल की आयु तक कुछ नाबालिग टेवे होते हैं। उस दशा में बारह साल तक के बालक की कुंडली का प्रभाव नहीं उसके पिछले जन्म के भाग्य का असर ही प्रभावी रहता है। नाबालिग टेवा उसको कहते हैं जबकि टेवा 1, 4, 7 और 10 खाने अर्थात् केंद्र स्थान खाली हो अथवा सिर्फ पापी ग्रह शनि, राहु और केतु ही हो या अकेला बुध ही हो तो वह नाबालिग ग्रहों का टेवा होगा।

उसकी किस्मत का हाल 12 साल तक शक्की होगा।

लाल किताब के अनुसार नाबालिग टेवा वाले जातक पर बारह वर्षों तक प्रत्येक वर्ष एक-एक ग्रह का प्रभाव निम्नरूपेण पड़ा करता है। जीवन पर पड़ने वाले दुषित प्रभाव की अनुकूलता हेतु निम्नांकित भाव स्थित ग्रह का उपाय करना चाहिए।

1. उम्र के पहले साल में सातवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
2. उम्र के दूसरे साल में चौथे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
3. उम्र के तीसरे साल में नौवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
4. उम्र के चौथे साल में दसवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
5. उम्र के पांचवें साल में ग्यारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
6. उम्र के छठे साल में तीसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
7. उम्र के सातवें साल में दूसरे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
8. उम्र के आठवें साल में पांचवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
9. उम्र के नवमें साल में छठे घर के ग्रह का असर पड़ता है।
10. उम्र के दसवें साल में बारहवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।
11. उम्र के ग्यारहवें साल में पहले घर के ग्रह का असर पड़ता है।
12. उम्र के बारहवें साल में आठवें घर के ग्रह का असर पड़ता है।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी नाबालिग ग्रहों का टेवा नहीं है।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उद्धृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते हैं। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते हैं।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता है। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्यमय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी कन्या बहन के ऋण से मुक्त है।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्नी पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात् दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी स्त्री ऋण से मुक्त है।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिद्धियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालों की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्नी ईश्वरीय ऋण से मुक्त है।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के पांचवे खाने में सूर्य है। जिसकी वजह से आप पढ़ाई में तेज, उच्च शिक्षित, सत्ता पक्ष से लाभ-प्राप्त करेंगे। संतान सुख मिलेगा। आप सेवक पुत्र की माता होंगी। सुखी माता-पिता/सास-ससुर से युक्त, अपने घर का भाग्य जगाने वाली होंगी, पुत्र प्राप्ति के बाद परिवार में तरक्की होगी। आप सबको साथ लेकर आगे बढ़ने वाली, बहादुर होंगी, बुढ़ापा सुख से बीतेगा। सरकारी अधिकारियों से मधुर संबंध रखेंगी। यदि राजा सहायक न हो तो फकीर से आपका भला होगा। पारिवारिक उन्नति होगी। पौत्र के जन्म के बाद माली हालात अच्छी हो जाएगी। औलाद की वृद्धि होगी, बुढ़ापे में हर तरह का आराम मिलेगा। मां-बाप/सास-ससुर का सुख लंबे समय तक मिलेगा। जिंदगी आराम से गुजरेगी। 42 से 47 साल की आयु तक शुभ फल होगा। ज्यों-ज्यों आयु बढ़ेगी, आप अच्छा रुतबा प्राप्त करेंगी। आपको सरकारी विभाग से मान-सम्मान मिलेगा, गुप्त विद्याओं में रुचि रहेगी, अचानक धन प्राप्ति के भी योग हैं।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया या बुरे काम किये, संतान से झगड़ा किया सरकारी विभाग से बेईमानी की या झूठ बोलने की आदत होगी तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से पेट की खराबी होगी जिससे क्रोधी स्वभाव की होंगी। पति छोड़े या मर जाए, दूसरी शादी भी हो सकती है ऐसा शक है। पति की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। पति द्वारा अपमानित भी होना पड़ सकता है। लड़के पर भी बुरा असर हो सकता है। काफी दुःखों का सामना करना पड़ सकता है। औलाद की आर्थिक हालात पर बुरा असर होगा। ससुराल के लिए अशुभ फल रहेगा। झूठ और बेईमानी से धन हानि का भय और दीर्घ रोग हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. झूठ से दूर रहें।
2. किसी के प्रति मन में ईर्ष्या न रखें।

उपाय :

1. बुजुर्गी रस्मों-रिवाज बन्द न करें।
2. पति के भाई, जीजा, दोहते या भांजे में से तीन की सेवा करें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली के पांचवें खाने में चंद्रमा है। इसकी वजह से हीरे-जवाहरात से संबंधित नौकरी-व्यापार लाभ देगा। कन्या सन्तान अधिक होने का योग है। आपको सुख के सभी साधन मिलेंगे। वन विभाग की अधिकारी हो सकती हैं। आप 9 वर्ष जीवन में यात्रा

करेंगी। विदेश यात्रा से लाभ संभावित है। आपकी संतान की उम्दा परवरिश होगी। धार्मिक विचार रखने से आपके धन-दौलत की बरकत होगी। आप किसी के भी सामने नहीं झुकेंगी। आप दूसरों का इन्साफ करने में आगे रहेंगी। आप रहम दिल महिला होंगी और किसी से बेइंसाफी नहीं करेंगी। लड़ाई-झगड़े में आप जिसका भी साथ देंगी वह जरूर जीतेगा। सरकारी काम शुभ फल देने वाला होगा। आप सामाजिक कार्य करें तो आपकी औलाद के लिए अच्छा होगा। यात्रा का फल शुभ होगा। आपकी कभी भी बर्बादी नहीं होगी। आपको अपने जीवन की सभी मशहूर बातें हमेशा याद रखनी चाहिए।

यदि आपने धर्म विरोधी कार्य किये, गुप्त पाप किया, चकोर पक्षी का शिकार किया, अपना भेद किसी को बताया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपकी विद्या में विघ्न, संतान द्वारा विरोध होगा। आपका अपना भेदी तबाह कर सकता है। लालच और खुदगर्जी से नुकसान होगा। आपकी आदत हरेक को गुमराह करने वाली होगी। आपको नौकरी-व्यापार से अच्छा लाभ नहीं हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. आप अपनी मर्जी से कोई कार्य न करें, किसी की सलाह जरूर लें।
2. किसी भी पाप कार्य में दखल न दें।

उपाय :

1. धार्मिक कार्य में बढ़-चढ़ कर भाग लें।
2. कभी-कभी पहाड़ की यात्रा करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार मंगल तीसरे खाने में हो तो महिला मांगलिक होती है। अतः आप मांगलिक महिला हैं। इस वजह से आप अपने लिए ख्याली पुलाव बनाएंगी और सब्ज बाग देखेंगी। दूसरों की सहायता करेंगी, नर्म स्वभाव रहेंगी। चक्रव्यूह भेदन की कला में चतुर होंगी। आपको पिता और ससुराल पक्ष से सहायता मिलेगी। आपको परिवार से अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आप अपनी शारीरिक और मानसिक योग्यता से जानी जायेंगी तथा आपको योग्यता प्रदर्शन करने का अच्छा मौका मिलेगा। आपको भाई-बहन का सुख मिलेगा। आपके दोस्त हमेशा मदद करेंगे। आपका विवाह अच्छे घर में होगा। माता-पिता/सास-ससुर का पूरा सुख मिलेगा।

यदि आपने परपुरुष से अनैतिक संबंध रखे, अकड़ा हुआ मिजाज रखा अधिक गुस्सा करने की आदत रखी, मांस-मदिरा के सेवन करने की आदत हुई, अय्याशी की तरफ आपका झुकाव रहा तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप अपने जीवन में चालबाजी और धोखेबाजी से काम

निकालेंगी और आप बेकार की फोकी उम्मीदें भी रखेंगी। आपकी बर्बादी का कारण आपकी अय्याशी हो सकती है। आप पर कर्ज का बोझ भी चढ़ सकता है। आपके घर में अचानक किसी की मौत भी हो सकती है। आपकी संतान की हालत मंदी हो सकती है। आपको मृत बच्चा पैदा हो या गर्भपात भी हो सकता है। घर में चोरी और नुकसान से होशियार रहें। आपके चाचा या भाई, औलाद से दुःखी हो सकते हैं। आपके भाई-बन्धु, मित्र आपके विनाश का कारण बनेंगे। लड़ाई-झगड़े से दूर रहें। लड़ाई-झगड़ा आपकी मौत का कारण बन सकता है। आपकी नेकी कोई भी याद नहीं रखेगा। खून खराब या पेट में रोग हो ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हाथी दांत न रखें।
2. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले घर में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ में पहनें।
2. चांदी की बेजोड़ चूड़ी पर लाल रंग लगाकर बायें हाथ में पहनें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध चौथे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से सुख प्राप्त होगा। सरकार द्वारा मान-सम्मान भी प्राप्त होगा। राजसुख प्राप्त होगा। आप लेखक संपादक या एक कुशल व्यवसायी भी होंगी। आप अपने जन्म स्थान के आस-पास ही नौकरी-व्यापार करेंगी। आप भाग्यवान हैं। आपके परिवार, दौलत तथा आपकी उम्र तीनों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। राजयोग के प्रभाव से आप सरकारी नौकरी में रहेंगी या सरकार से लाभ प्राप्त करेंगी। जीवन व्यस्त परंतु पूर्ण सुखी रहेगा। सुख के सभी साधन उपलब्ध होंगे। निजी भवन और वाहन की प्राप्ति के योग हैं। आप हुनरमंद और कलाकार होंगी। जीवन में बुद्धिमत्ता से काम लेना पड़ेगा। विदेश की यात्रा या आयात-निर्यात के कामों से अधिक लाभ होगा। बहन-मौसी से लाभ होगा।

यदि आपने विधुर या अविवाहित पुरुष से संबंध रखा, लड़की, बुआ, बहन-ननद के धन का उपयोग किया, माता/सास का विरोध या कष्ट दिया तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से सब प्रकार से आपको मां/सास का प्यार कम मिलेगा। माता/सास के लिए अरिष्ट सूचक योग है। यदा-कदा आपका मनोबल क्षीण हो जाया करेगा। परंतु आपको घबराना नहीं चाहिए। आपको किसी से गलत मंत्रणा मिल सकती है। पति सुख, धन-दौलत और गृहस्थ सुख पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. ननद-मौसी से झगड़ा न करें।
2. विधुर या अविवाहित पुरुष से संबंध न रखें।

उपाय :

1. तांबे का पैसा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।
2. केसर का तिलक करें।

गुरु

आपकी जन्मकुंडली में वृहस्पति ग्यारहवें खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको पिता/ससुर का सहयोग प्राप्त होगा। भाई आपके मदद्गार हो सकते हैं और उनसे लाभ भी होगा। कारोबार में भाई का साथ भाग्य जगाता है। आपके जीवन में 16 वर्ष से 28 वर्ष तक आपका भाग्य खूब साथ देगा। आपके भाग्य से ससुराल वालों को बहुत लाभ होगा आपको धन-संपदा प्राप्त होगी। आप गरीबों की मदद करेंगी तथा धर्म में विश्वास रखेंगी, तो आपका भला होगा। पिता/ससुर की उम्र तक आपकी हालत अच्छी रहेगी। आपको लाभ तो होगा परंतु आप कर्जदारी में भी रहेंगी। सरकारी कामों से संबंधित कमाये धन में बहुत बरकत होगी। आपके जीवन में आमदनी के और भी कई रास्ते हो सकते हैं। आप दूसरों की मदद्गार होंगी आप अपनी आमदनी का अपव्यय भी कर सकती हैं या आप अपने धन को संभाल कर नहीं रख सकेंगी। आपकी दोस्ती से दूसरों को लाभ मिलेगा। आप अपने भाई-बंधुओं, दोस्तों के साथ अच्छा व्यवहार रखेंगी। आप अपनी किस्मत पर भरोसा नहीं करेंगी। आपकी मौत शान और सम्मान से होगी।

यदि आपने पूजा स्थान घर में रखा, चाल-चलन खराब किया, घर में या घर के पास सूखा पीपल का वृक्ष हुआ तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से पिता/ससुर की मृत्यु के बाद कोई सहायता नहीं करेगा। आप परिवार के साथ रह कर सुखी परंतु अकेले रहने में दुःखी रहेंगी। आप की आखों की नजर कमजोर हो सकती है। बुढ़ापे में आपकी किस्मत ढीली हो जाएगी। परिवार कितना बड़ा हो मगर कफन पराया मिले ऐसा शक है। आप शराब बीयर आदि न पीएं वरना आपके पास धन नहीं टिकेगा। पिता/ससुर की मौत के बाद आपके भाग्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. अण्डे न खावें।
2. पूजा स्थान घर में न रखें। धर्म मंदिर में पूजा करें।

उपाय :

1. पीला रुमाल पास रखें।
2. लावारिस लाश को कफन दान दें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र छोटे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप बहुत धन कमा पाएंगी। आप अपनी कामवासना की पूर्ति के लिए पुरुषों की प्रशंसा और प्रेम भी करेंगी। आपके जीवन में पुत्र की अपेक्षा अधिक कन्याओं के सुख की संभावना है। आपको अधिक संख्या में संतान सुख प्राप्त की संभावना है। आप स्वस्थ रहेंगी। आपकी नेत्र की शक्ति बरकरार रहेगी। आप रुचिपूर्ण भोजन पसंद करेंगी। आपको वृद्धावस्था में अधिक सुख प्राप्त होगा। आप अपनी प्राप्त शिक्षा से हट कर काम करेंगी। आपके पिता/ससुर के साथ-साथ आपकी किस्मत भी अच्छी है।

यदि आपकी पुत्रियां अधिक हुई, पति से झगड़ा किया या आपके पति को नंगे पैर घूमने की आदत हुई, बहन-बुआ-ननद-बेटी से धन लिया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से विद्या अध्ययन में रुकावट, पिता/ससुर सुख का अभाव रहेगा। काम शक्ति में नुकस होने की शंका है। विलंब से पुत्र का सुख मिलेगा। धन-संपत्ति की हानि भी हो सकती है। आपके सामने लड़ाई-झगड़े की भी समस्याएं पेश आती रहेंगी। लड़ाई-झगड़े से परेशान रहेंगी। आपकी बुद्धि भ्रमित रहेगी, आपके पशु की चोरी या धन-दौलत के गुम हो जाने की भी संभावना है। आपका कारोबार अच्छा नहीं रहेगा, राज पक्ष से भी कोई समस्या पैदा होगी, ऐसी आशंका है। लोग आपको कई बार बदनाम भी कर देंगे।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट हैं तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. पति का अपमान न करें।
2. पति को नंगे पैर न चलने दें।

उपाय :

1. पति लाल दवाई से गुप्तांग धोयें।
2. ठोस चांदी घर में रखें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में शनि पड़ा है। इसकी वजह से आपका भाग्योदय 48वें वर्ष में होगा। आप अपने धर्म पर अडिग रहेंगी। जीवन के 57वें, 72वें और 89वें आयु में अच्छा फल मिलेगा। आपको पूरा आराम मिलेगा और उत्तम फल प्राप्त होंगे। लोहा, कोयला, रबड़ आदि काली चीजों के व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगी। दस्तकारी में भी निपुण होंगी। आप अपने धन की सुरक्षा करेंगी। आर्थिक दृष्टि से आप प्रगति करेंगी। संतान सुख अवश्य मिलेगा। यदि आप नेकी करें और धर्म का सहारा लेंगी तो मिट्टी को भी छुएंगी तो सोना हो जाएगी। न्यायप्रिय, राज्याधिकारी, राजदरबार और धन-दौलत पर अच्छा असर पड़ेगा। भलाई करने से जिंदगी में सभी प्रकार के आराम मिलेंगे। बुजुर्गी संपत्ति का लाभ होगा,

ससुराल वाले अमीर होंगे।

यदि आपने 55 वर्ष की आयु से पहले मकान बनाया, आपने परिवार के लोगों को हानि पहुंचाई, भाई से दूर रहीं, धोखे-ठगी से धन कमाना शुरू किया तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से आपकी शिक्षा अधूरी रह सकती है। आप गुस्सैल मिजाज की होंगी। आपके आमदनी और खर्च बराबर रहेंगे। शराब-मांस का सेवन करने से क्रोध की मात्रा बढ़ जाएगी और आप किसी की हत्या भी कर सकती हैं। आप फरेब करके पैसा बनाएंगी। बेईमानी से कमाया हुआ धन बुरा फल देगा। धोखे-ठगी से कमाया धन कैद और कफन ही देगा। विद्या में रुकावट, आपका भाई-बंधु और मित्रों से विरोध होगा, खानदान के लिए अशुभ होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. किराये के मकान में रिहाईश न करें।
2. ठगी-धोखे से धन न कमाएं।

उपाय :

1. घर में शुद्ध चांदी की ईंट रखें।
2. नये काम पर जाते समय या नया काम शुरू करते समय पानी या दूध का भरा घड़ा कुंभ के तौर पर रखें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के बारहवें खाने में राहु पड़ा है। जिसकी वजह से आपके लिए तमाम सुख-सुविधाओं का लाभ रहेगा। आप योगी की तरह आचरण करेंगी। आप उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने बलबूते पर खड़ी होंगी। व्यर्थ की चिंताओं से मुक्त रहेंगी। आप धनवान अपने भाई-बहन से स्नेह रखने वाली, शत्रु पर जीत और सुख के साथ जीवन को गुजारेंगी। आप कभी भी अर्थिक रूप से परेशान नहीं होंगी। आपकी कन्या जन्म के बाद लक्ष्मी की बड़ी कृपा होगी और आपको सभी सुख प्राप्त होंगे। विवाह-उत्सव आदि कामों में खूब खर्च करेंगी। अथाह धन की प्राप्ति होगी। आप अपनी पुत्री, ननद व बहन पर अधिक खर्च करेंगी। आप पर ऋण का बोझ पड़ जाये तो वह शीघ्र उतर जाएगा। शुभ समय पर कोई काम करके कामयाबी हासिल करेंगी। ससुराल पक्ष धनवान होगा, शत्रुओं से बचाव होगा।

यदि आपके लड़कियां अधिक हुई, मकान रोशनी वाला हुआ, बिना सोचे समझे काम किया, शेख चिल्ली की तरह बातें ही बातें बनाने की आदत हुई तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आप बुरे व्यसनों के कारण या समाज में बदनाम लोगों से दोस्ती के कारण दुःखी होंगी। आपको पसलियों तथा आंतों के रोग की आशंका बनती है। बवासीर रोग की आशंका है। दिमागी परेशानी के कारण रात्रि शयन में बाधा की आशंका है। आप शेख चिल्ली की तरह सपने देखेंगी और अपना समय

बर्बाद करेंगी। मानसिक पीड़ा से दुःखी रहेंगी। फौजदारी-दीवानी मुकद्दमों में उलझ सकती हैं। गबन करने पर इल्जाम लगेगा। बिना सोचे-समझे किये कामों में हानि हो ऐसी शंका है। आपके परिवार का बोझ आप पर होगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. रसोई से बाहर खाना न खावें।
2. घर के आंगन में धुआं न करें।

उपाय :

1. घर के आखिर में अंधेरी कोठरी बनावें।
2. चांदी का ठोस हाथी घर में रखें या चांदी का चौरस टुकड़ा सफेद धागे में डाल कर गले में धारण करें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में छठे खाने में केतु पड़ा है। इसकी वजह से आप अभिमान रहित होंगी। आप एक अच्छी सलाहकार होंगी। आपकी संतान आपके कामों में हाथ बंटायेगी। आप धनवान, शत्रुओं को परास्त करने वाली ननिहाल के लिए शुभ रहेंगी। आपकी संतान आपकी सहयोगी होंगी। आपका पुत्र आपकी मुसीबतों का जाल कटेगा और आपकी सहायता करेगा। आपको अपने जीवन में आराम मिलेगा। आप देश या परदेश में कहीं भी रह कर जीवन सुखमय बिताएंगी।

यदि आपने ससुराल से सोने की अंगूठी या 2 चारपाई या पलंग विवाह समय न लिये, ससुराल से मिली अंगूठी गुम हो जाये या बिक जाये तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से माता/सास और ननिहाल में बुरा असर पड़ेगा। आपको कुत्ते से डर लगेगा, कुत्ते के काटने का भय रहेगा। आपकी फिजूल खर्च भी हो, ऐसी संभावना है। आपका बुढ़ापा कष्टमय रहेगा। कभी-कभी आपको बेकार की यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। बिना किसी कारण के शत्रु पैदा हो सकते हैं। आपकी वृद्धावस्था सुखी नहीं रहेगी। आपका पुत्र दूसरों के लिए बदनसीब होगा। लड़कियां अधिक हो सकती हैं। पेट-चमड़ी-पांव में रोग होगा। आवारा घूमना या धन का अपव्यय अधिक होगा, बिना कारण शत्रु पैदा होते रहेंगे। मामा और माता/सास को कष्ट की आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. ससुराल से मिली सोने की अंगूठी गुम न होने दें और न बेचें।
2. परिवार के लड़कों से झगड़ा न करें।

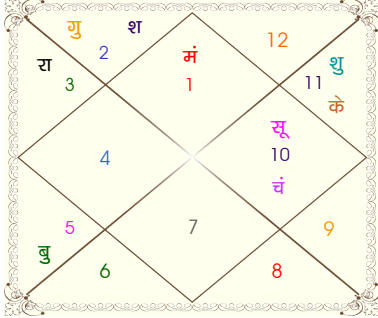
उपाय :

1. केसर/हल्दी का तिलक करें।
2. शुद्ध सोने की अंगूठी बायें हाथ में पहनें।

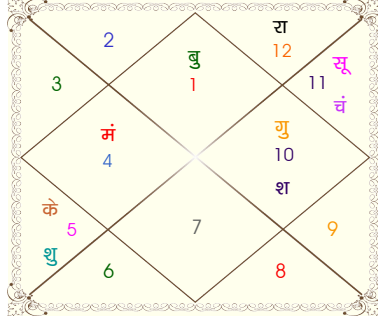


लाल किताब - वर्ष कुंडली

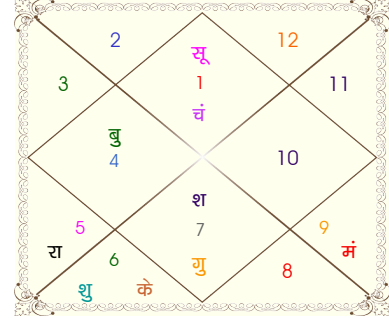
2026



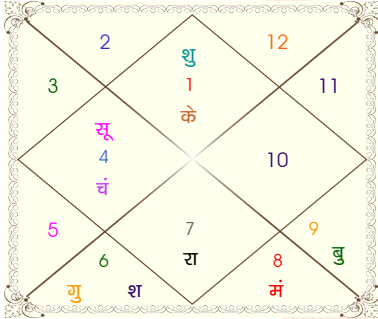
2027



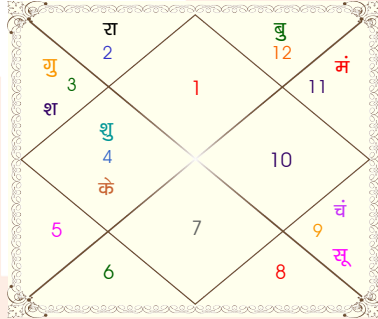
2028



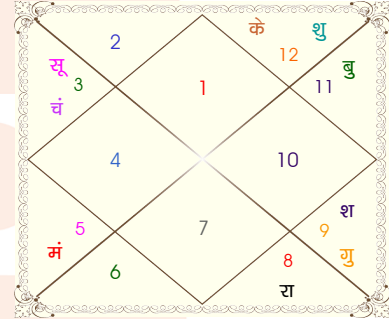
2029



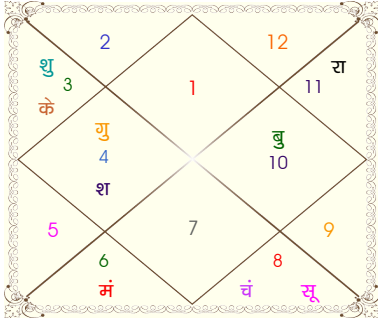
2030



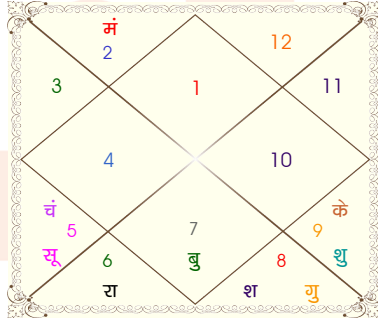
2031



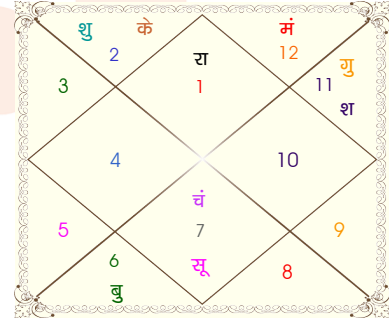
2032



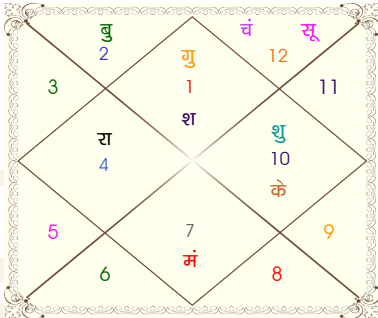
2033



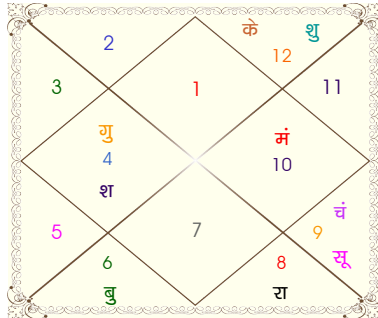
2034



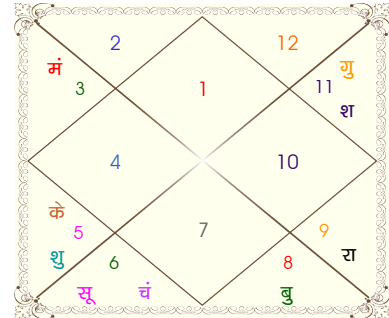
2035



2036



2037



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

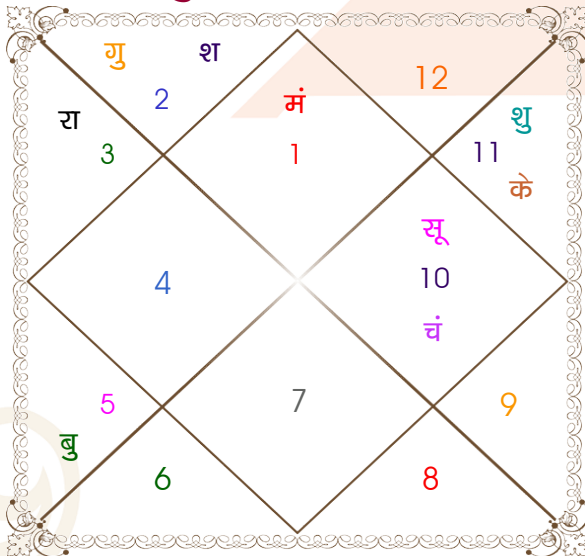
वर्तमान आयु - 27
वर्तमान दशा - शुक

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	हाँ	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	हाँ	--	नेक
शुक	--	--	--	नेक
शनि	--	हाँ	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	--	--	नेक

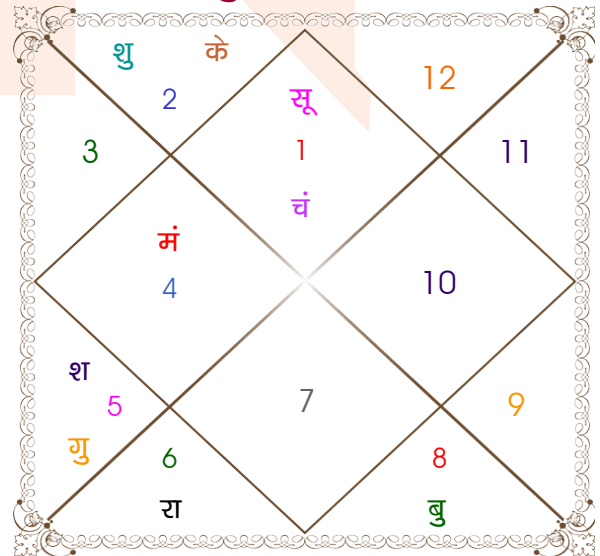
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ	--	--	--	हाँ

वर्ष कुंडली 2026 - 2027



वर्ष चन्द्र कुंडली 2026 - 2027



लाल किताब वर्षफल 2026-2027

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष आप अपना भेद किसी को न बतायें आपका भेदी ही आपको तबाह करने की कोशिश कर सकता है, मशीनरी, लकड़ी के कामों में हानि हो सकती है। कोयला-बिजली के कामों में अधिक लाभ नहीं मिलेगा। पिता/ससुर का सुख कम या पिता/ससुर से लाभ न मिलेगा। आँखों में कष्ट का भय है।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. पैतृक/ससुराल मकान में हैंड पंप लगावें।
2. सिर पर सफेद-शरबती, स्कार्फ या चुनरी ओढ़ कर रखें।

चंद्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से इस वर्ष खराब स्वास्थ्य के समय किसी को रात के समय लिक्वड दवाई देना या इस का प्रयोग आपके लिए हानिकारक है। विद्या संबंधी कामों में भी परेशानी आ सकती है। चोर-जुआरी या शराबी लोगों द्वारा आपका नुकसान होगा। किसी पुरुष या प्रेमी द्वारा गलत सलाह से आपका धन-सम्मान नष्ट हो सकता है, सतर्क रहें।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. दूध को फाड़ कर उसका पानी पीयें। अर्थात् पनीर का पानी पियें (स्वास्थ्य खराब के समय)
2. 10 दिन सुबह नाश्ते में कच्चा पनीर खावें।
3. रात्रि समय (सूर्यास्त से सूर्योदय तक) दूध न पिये।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष साहसी और शूरवीर बनेंगी, बुरे व्यक्ति के साथ भी नेकी का सलूक करेंगी, बड़े बहन-भाई/देवरानी-जेठानी, ननद से लाभ मिल सकता है। दूसरे व्यक्ति द्वारा की गई नेकी को सदा याद रखेंगी। परिवार और समाज को सच्चाई और नेकी की राह पर चलने की सलाह देंगी, कंप्यूटर आदि के कामों से लाभ मिलेगा।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बिना मेहनत का माल, दान या गिफ्ट न लेवें।

2. हाथी दांत कायम करें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ होगा और सुख के साधन मिलेंगे, ज्योतिष विद्या और धर्म-अध्यात्म के प्रति रुचि, आप जो बात मुंह से कहेंगे वह सच हो सकती है अर्थात् आपके मुंह से निकला वाक्य ठीक वाक्य माना जा सकता है। अचानक धन लाभ होगा और बहुत अच्छे दिन देखने को मिलेंगे।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. गऊ मुख घर में रिहाईश न करें।
2. चाल-चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष अचानक धन लाभ मिल सकता है। आपको कुछ भी होने वाला हो उसकी खबर पहले हो जाएगी, शिा और ज्ञान से लोगों का मार्ग दर्शन कराएंगी। आपके सभी कार्य अपने आप बनते चले जाएंगे मगर आपको व्यर्थ की चिंता रहेगी। पति और शासन या सरकारी विभाग की तरफ से लाभ मिल सकता है।

गुरु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सर्राफी या जौहरी का काम न करें।
2. चाल चलन ठीक रखें और अनैतिक सम्बन्ध न रखें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष कन्या संतान का सुख मिल सकता है। आप अकारण पैसे के पीछे भागते रहेंगी। आप में अच्छे गुण बढ़ेंगे मगर आपकी गुप्त कार्य करने की आदत हो जाएगी। विचारधारा को शीघ्र बदलती रहेगी, ससुराल पक्ष के लोग सहायक होंगे। बहन/ननद से भी लाभ मिलेगा पति आपके कार्यो में साथ निभायेंगे।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. माता/सास और पति को घर की खजांची न बनाएं।
2. नौकरी-व्यापार में बार-बार बदला-बदली न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 2 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष ईश्वर भक्ति में आपका विश्वास बढ़ेगा। पिता/ससुराल से धन-संपत्ति का लाभ होगा। कोयला, चमड़ा, मशीनरी के कामों से लाभ होगा। मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अक्ल की बारीकी से उलझनों को सुलझा लेंगे। बने बनाये मकान का लाभ मिल सकता है। धन की कमी नहीं रहेगी।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. सिर पर या माथे पर सरसों का तेल न लगावें।
2. सांपों को न मारें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 3 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपके शत्रु आपके ऊपर हावी नहीं हो सकते, भविष्य में होने वाली घटना का आपको पहले पता चल जायेगा। आपकी कलम में तलवार से अधिक ताकत होगी, आपको उच्च पद या सम्मान प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार में खूब तरक्की होगी, खराब चाल-चलन से संतान की चिंता रहेगी।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. हाथी दांत पास न रखें।
2. तीन-तीन हाथी के खिलौने घर में न रखें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 11 में शुभ है जिसकी वजह से आप इस वर्ष कभी हिम्मत नहीं हारेगी। भाग्य आपका साथ देगा। धन-दौलत का अधिक लाभ होगा। आपके पुत्र संतान का सुख मिलेगा तो माता/सास को शारीरिक कष्ट हो सकता है खासकर आंखों में। चाल-चलन ठीक रखें वरना शारीरिक कमजोरी हो सकती है। आने वाले समय की अधिक सोच रहेगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. शुभ काम पर जाते समय कोई पीछे से आवाज दे तो काम पर न जायें क्योंकि आगे काम नहीं बनेगा।
2. व्यतीत समय की बातें करके को याद कर लोगों को न सुनायें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन सिर पर सफेद-शरबती टोपी/पगड़ी/रूमाल/स्कार्फ से ढाप कर रखें।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरु करें।)



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

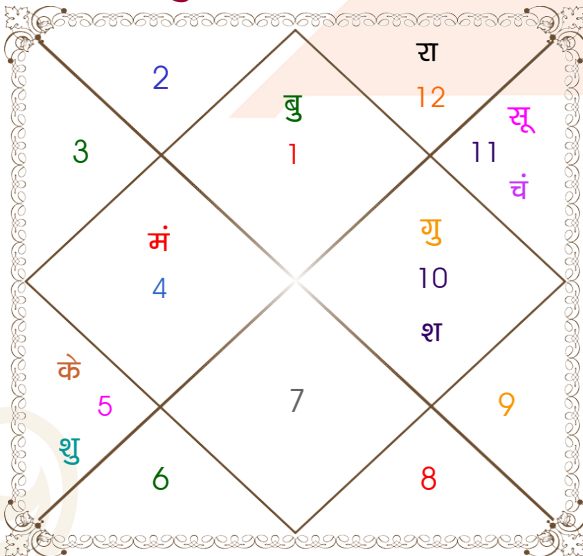
वर्तमान आयु - 28
वर्तमान दशा - शुक

ग्रह	अंधा	सोया	धर्मी	नेक/मन्दा
सूर्य	--	--	--	मन्दा
चंद्र	--	--	--	मन्दा
मंगल	--	--	--	नेक
बुध	--	हाँ	--	नेक
गुरु	--	--	--	मन्दा
शुक	--	हाँ	--	नेक
शनि	--	--	हाँ	नेक
राहु	--	--	--	नेक
केतु	--	हाँ	--	नेक

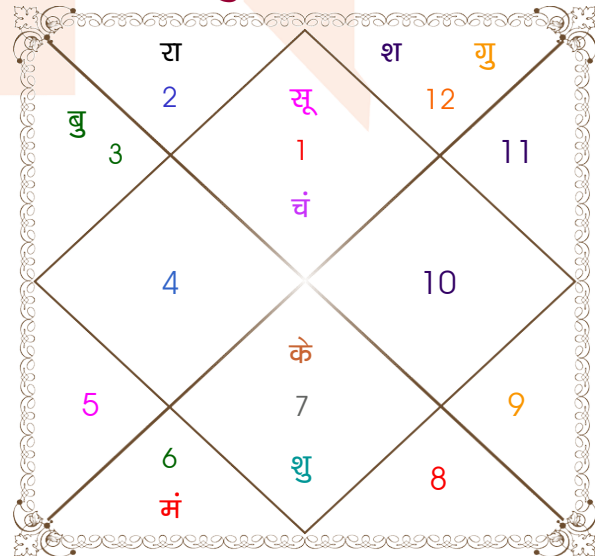
भाव स्थिति

खाना	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सोया	--	हाँ	हाँ	--	--	हाँ	--	हाँ	--	--	--	--

वर्ष कुंडली 2027 - 2028



वर्ष चन्द्र कुंडली 2027 - 2028



लाल किताब वर्षफल 2027-2028

सूर्य

आपकी वर्ष कुंडली में सूर्य खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष सुस्ती और लापरवाही से जीवन में तरक्की के कई अवसर खो सकती हैं। मांस-शराब के इस्तेमाल करना संतान को कष्ट होगा या संतान की चिंता रहेगी। दूसरे लोगों को गाली देना, झूठ बोलना, लड़ाई-झगड़ा करना आपके लिये ठीक नहीं है इन बातों से बचें। सरकारी विभाग द्वारा दंड/जुर्माना का भय रहेगा।

सूर्य की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. झूठ न बोलें, जूठ भोजन न खावें और न खिलावें।
2. मांस-मछली न खावें और शराब न पियें, मादक चीजों का सेवन न करें।

चन्द्र

आपकी वर्ष कुंडली में चंद्र खाना नं. 11 में है जिसकी वजह से आप इस वर्ष काम शक्ति की कमी महसूस करेंगी, माता/सास से झगड़ा या उनकी आंखों में कष्ट होगा। संतान संबंधी चिंता रहेगी। दिन के समय पढ़ने से अधिक लाभ नहीं होगा।

इस वर्ष निम्न पांच बातें हानिकारक हैं -

- (1) शनिवार को मकान खरीदना/मशीनरी खरीदना।
- (2) बुधवार नया काम शुरू करना।
- (3) शुक्रवार विवाह अपना या किसी रिश्तेदार का।
- (4) सूर्यास्त से सूर्योदय तक जागरण भजन/कीर्तन आदि सुनना।
- (5) प्रभात समय दान लेना या देना।

चंद्र की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. भैरों मंदिर में साढ़े पांच किलो दूध चढ़ावें या मजदूर पेशा (बोझा उठाने वाले) व्यक्तियों को दूध पिलाये।
2. माता का स्वास्थ्य खराब रहे तो 11-11 पेड़े 11 बच्चों में बांटे।
3. घर की छत के नीचे गंगाजल या नदी का पानी कायम करें।
4. कमजोरी के समय चांदी का कुश्ता या दूध से बनी चीजों का प्रयोग अधिक करें।

मंगल

आपकी वर्ष कुंडली में मंगल खाना नं. 4 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सुख के साधनों से सुख नहीं मिलेगा। माता/सास, नानी-सास और पति से जायदाद का

लाभ मिलेगा, गृहस्थ जीवन सुखमयी व्यतीत होगा, संतान की चिंता रहेगी, मेहमानों का आपके घर में आना-जाना लगा रहेगा। मकान/वाहन का सुख मिलेगा। दूसरों को नसीहत दे कर उनको सन्मार्ग पर लाने के लिए प्रत्यनशील रहेंगी।

मंगल की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार के मकान में रिहाईश न करें।
2. काले-काने, अंगहीन, निःसंतान व्यक्ति से संबंध न रखें।

बुध

आपकी वर्ष कुंडली में बुध खाना नं. 1 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विदेश यात्रा या विदेश से सम्बन्धित कामों से लाभ हो सकता है। आपके मुंह से निकली हुई बात में दम होगा, आप दूसरों की परवाह नहीं करेंगी। मधुर भाषा बोलेंगी, कल्पनाशील विचार होंगे। आप पर दूसरे लोगों का प्रभाव रहेगा। आप परिवार के झगड़ों में सुलह करने में भूमिका निभाएंगी।

बुध की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. अण्डा-पेस्ट्री आदि अण्डे से बनी चीजें न खावें।
2. शराब-बीयर न पियें, मांस-मछली का भोजन न करें।

गुरु

आपकी वर्ष कुंडली में गुरु खाना नं. 10 में है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष विद्या संबंधी कामों से अधिक लाभ नहीं होगा। ख्वाबों के महल बनाना आपकी आदत बनेगी। ख्वाबी महल न बना कर आप समय का सदुपयोग करें। साधू को कष्ट दिया, पीपल का वृक्ष उजाड़ा से तो आपको हानि होगी। संतान की चिंता, पिता-ससुर का स्वास्थ्य भी खराब रह सकता है।

गुरु की अशुभता कम करने हेतु निम्नलिखित उपाय करें।

उपाय :

1. गुरु/साधू की सेवा करें या पीपल के वृक्ष को पानी से सींचें। (रविवार को छोड़कर)।
2. तांबे का पैसा 43 दिन लगातार बहते पानी में डालें।

शुक्र

आपकी वर्ष कुंडली में शुक्र खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सफेद वस्तुओं से अधिक प्रेम रहेगा। आप अपने देश और जाति से प्रेम करेंगी, माता-पिता का कहना मानेंगे। दुनियावी बातों से अपने को मुक्त रखेंगी। पति की वफादार रहेंगी, पति के

साथ अच्छे संबंध रखेंगी परंतु किसी चीज का अभाव नहीं होगा और कारोबार में रुकावट नहीं आयेगी।

शुक्र की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. पुरुषों की रसिया न बनें।
2. प्रेम विवाह या अंतर्जातीय विवाह या माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध विवाह न करें।

शनि

आपकी वर्ष कुंडली में शनि खाना नं. 10 में शुभ है जिसकी वजह से आपको इस वर्ष सरकारी विभाग या सरकार द्वारा लाभ मिलेगा। इस वर्ष का हर दसवां दिन और दसवां महीना आपके लिये शुभ और लाभकारी है। धर्मात्मा होना आपके लिये ठीक नहीं रहेगा। स्थायी कामों अर्थात् एक जगह बैठ कर करने वाले कामों से मान-सम्मान बढ़ेगा और मकान न बने तो अधिक धन लाभ होता रहेगा।

शनि की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. मादक द्रव्यों/चीजों का प्रयोग न करें और मछली न खायें।
2. भाग-दौड़ के काम न करें।

राहु

आपकी वर्ष कुंडली में राहु खाना नं. 12 में शुभ है जिसकी वजह से इस वर्ष आपका धन शुभ कामों या विवाह आदि पर खर्च हो सकता है। यदि आप पर ऋण का बोझ हो जाये तो वह उतर जायेगा, शत्रु दबे रहेंगे। अध्यात्म विचार आपको शायद ही लाभ देंगे। अपने बलबुते पर सभी कार्य सिद्ध कर लेंगी। रात को सुख की नींद मिलेगी और सुख के साधन बढ़ेंगे।

राहु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. रसोई में बाहर बैठ कर खाना खावें।
2. घर के आंगन में धुंआ न करें।

केतु

आपकी वर्ष कुंडली में केतु खाना नं. 5 में शुभ है जिसकी वजह से आपका इस वर्ष पिता/ससुर सेवा या गुरु भक्ति में रुचि रहेगी। चाल-चलन ठीक रहेगा। धर्म-ईमान की स्थिति शुभ होने के कारण संतान का सुख मिलेगा। पुत्र के द्वारा आपका भाग्योदय होगा और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में किसी स्त्री के संतान पैदा होने का योग है तो पुत्र

लाभ होगा। यात्रा से तरक्की होगी, धन-धान्य से सुखी रहेंगी।

केतु की शुभता बढ़ाने हेतु निम्नलिखित परहेज करें।

परहेज :

1. बुरे चलन के लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक/ट्रंक/अलमारी को हमेशा ताला लगाकर न रखें। ताले को कभी-कभी खोलते रहें।

वर्ष को शुभ बनाने हेतु वर्षारम्भ में विशिष्ट उपाय

- 43 दिन रेत का तकिया बना कर रात को सिर के नीचे रख कर सोये।

(उपरोक्त उपाय जन्मदिन को या जन्मदिन से 40 दिन के भीतर करें/शुरू करें।)



लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।
2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।
3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।
4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।
5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।
6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर दें।
7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।
8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।
9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें।
10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये।
11. बुजुर्गों के रीति-रिवाजों को न तोड़ें और संस्कार पूरे करें।